(b) and (c) Helicopters being ac-cmired by the Helicopter Corporation of India will primarily cater to the requirements of the transportation of the Oil Sector. Helicopters are also being offered to State Governments/ Union Territories on wet-lease in the first instance so the stations to be airlinked and the pattern of operation etc. will be decided by the' State Governments/Union Territories.

National highways in Madhaya Pradesh

1543. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in 1984 the National Transport Committee had recommended to Government to declare the existing eight highways in Madhya Pradesh as National Highways;

(b) if so, ' what are the details in this regard;

(c) whether Government have already received the required information from the Madhya Pradesh Government in regard to the proposed National Highways in 1985; and if so, what are> the details in this regard;

(d) whether the said eight highways in the State have been declared as National Highways; if so, when; and

(e) if not, the reasons for delay and when these highways are proposed to be declared as National Highwayn?,

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): (a) and" (b) The National Transport Policy Committee had in May, 1980, recommended nine State highways for being declared as National Highways in Madhya Pradesh. Their details are given in the Statement *(See* below).

(c) No, Sir,

(d) and' (e) Out of the nine State roads, only one route from Jaipur to Biaora could be declared as National Highway. The remaining roads could not be declared as National Highways owing to limitation of resources. This position holds good even during the 7th Five Year Plan.

Statement

S.No.	Name of the route	Length (in Kms)
1	Gwalior-Jhansi-Khajuraho-Rewab	460
2	Nagpur-Baiduwllaganj (Bhopal)	350
3	Jahalpur-Shahdol-Ambikapur Jhumla.	520
4	Raipur-Varanasi.	620
5	Ahmedabad-Indore-Dewas-Bhopal.	510
6	*Jaipur-Kota--Biaora (to Bhopal).	450.
7.	Rajahmundary-Jagdalpur.	340
8	Nizamabad-Jadgalpur.	460
9	Berhampur-Raipur	550
	TOTAL :	4260Kms

*Declared as National Highway as an extension of NH No. 12 in February, 1981.

फ्रैंकफुर्त में आयोजित पुस्तक मेले में प्रदर्शित की गयी पुस्तकें

1544. **श्री सुरेश पचौरी :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) फ्रैंकफुर्त में आयोजित अड़तीसवें पुस्तक मेले में भारत की ओर से कितनी पुस्तक प्रदर्शित की गयी थीं और उनका भाषावार विवरण क्या है ;

(ख) क्या सरकार का ध्यान इस संबंध में नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा की गयी भारी गलतियों की ओर गया है ; और

(ग) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री पी0 वी0 नरसिंह राव) : (क) प्रदर्शित की गई भारतीय पुस्तकों के ब्यौरे निम्न प्रकार हैं :—

फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला प्राधिकरण द्वारा प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई पुस्तकें, भारत में मुद्रित और प्रकाशित की गई..5852.

फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला प्राधिकरण द्वारा प्रदर्शित की गई पत्र पत्रिकाएं...484

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा किराये पर लिए गए स्टैंड पर प्रदर्शित पुस्तकें . . 731

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला प्राधिकरण के माध्यम से प्रदर्शित पुस्तकों का भाषावार ब्यौरा संलग्न6 विवरण में दिया गया है (नीचे देखिये)।

उपर्युक्त के अलावा भारत के 70 निजी प्रकाशकों ने लगभग 3500 पुस्तकें प्रदर्शित की।

(ख) और (ग) फ्रैंकफर्ट पुस्तक प्राधिकरण द्वारा प्रदर्शित भारतीय पुस्तकों की ग्रन्थ सूची, जो राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा तैयार की गई थी, में कुछ मुद्रण संबंधी गलती की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया है। यह ग्रन्थ सूची उनके द्वारा ही तैयार की जानी थी, किन्तु मेला शुरु होने के कुछ सप्ताह पहले उन्होंने यह परियोजना छोड़ दी क्योंकि इतनी बड़ी ग्रन्थ-सूची अल्पसूचना पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास को संकलित करनी पड़ी थी इसलिए कुछ गलतियां हुई।

विवरण

फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला, 1986

क्रम सं०	भाषा	फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला प्राधिकरण द्वारा प्रदर्शित पुस्तकें और पत्र-पत्रिकाएं		राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के स्टैंड पर प्रदर्शित पुस्तकें।
		पुस्तकों की संख्या	पत्र-पत्रिकाओं की संख्या	
1	2	3	4	5
1	अंग्रेजी	2214	226	581
2	हिन्दी	903	57	72
3	आसामी . . .	198	10	1
4	बंगाली	467	35	9

1	2	3	4	5
5	गुजराती . . .	104	18	5
6	कन्नड	103	16	10
7	मलयालम . . .	224	18	5
8	मराठी	188	11	8
9	उड़ीसा	110	14	5
10	पंजाबी	233	14	12
11	संस्कृत	205	9	8
12	सिन्धी	76	—	—
13	तमिल	516	23	2
14	तेलुगु	155	15	4
15	उर्दू	156	18	4
16	डोगरी	—	—	5
		5852	484	731

Limited stop buses run by DTC

1545. SHRI SHANTI TYAGI:
SHRI PRITHIBI MAJHI:
SHRI VITHALRAO MADHAV-RAD JADHAV:
DR. FAGUNI RAM:
SHRI S. S. AHLUWAUA:

Will the Minister of SURFACE TRA1ISFORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Delhi Transport Corporation (DTC) started a numb« of Limited Stop Buses for various destinations during the last three years, if so, the details thereof;

(b) whether before starting such trips the details of the commuters likely to be served thereby, is obtained by the DTC from the main complaints;

(c) if so, what are the reasons therefor; and

(d) if the answer to part (b) above be in the negative, the circumstances under which Bhartiya Samaj Kalyan-kari Sansthan has been asked to sup-
ply such details of the commuters list by the Regional Manager (East) **DTC,**